Series ONS

SET-3

कोड नं.
Code No. **2/3**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे — *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours — *Maximum Marks : 100*

सामान्य निर्देश :

- *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं।*
- *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*
- *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें।*

खण्ड - क

1. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **15**

संवाद में दोनों पक्ष बोलें यह आवश्यक नहीं। प्राय: एक व्यक्ति की संवाद में मौन भागीदारी अधिक लाभकर होती है। यह स्थिति संवादहीनता से भिन्न है। मन से हारे दुखी व्यक्ति के लिए दूसरा पक्ष अच्छे वक्ता के रूप में नहीं अच्छे श्रोता के रूप में अधिक लाभकर होता है।

बोलने वाले के हावभाव और उसका सलीका, उसकी प्रकृति और सांस्कृतिक-सामाजिक पृष्ठभूमि को पल भर में बता देते हैं। संवाद से संबंध बेहतर भी होते हैं और अशिष्ट संवाद संबंध बिगाड़ने का कारण भी बनता है। बात करने से बड़े-बड़े मसले, अंतर्राष्ट्रीय समस्याएँ तक हल हो जाती हैं। पर संवाद की सबसे बड़ी शर्त है एक-दूसरे की बातें पूरे मनोयोग से, संपूर्ण धैर्य से सुनी जाएँ। श्रोता उन्हें कान से सुनें और मन से अनुभव करें तभी उनका लाभ है, तभी समस्याएँ सुलझने की संभावना बढ़ती है और कम-से-कम यह समझ में आता है कि अगले के मन की परतों के भीतर है क्या?

सच तो यह है कि सुनना एक कौशल है जिसमें हम प्राय: अकुशल होते हैं। दूसरे की बात काटने के लिए, उसे समाधान सुझाने के लिए हम उतावले होते हैं और यह उतावलापन संवाद की आत्मा तक हमें पहुँचने नहीं देता। हम तो बस अपना झंडा गाड़ना चाहते हैं। तब दूसरे पक्ष को झुँझलाहट होती है। वह सोचता है व्यर्थ ही इसके सामने मुँह खोला। रहीम ने ठीक ही कहा था - ''सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय।'' ध्यान और धैर्य से सुनना पवित्र आध्यात्मिक कार्य है और संवाद की सफलता का मूल मंत्र है।

लोग तो पेड़-पौधों से, नदी-पर्वतों से, पशु-पक्षियों तक से संवाद करते हैं। राम ने इन सबसे पूछा था - 'क्या आपने सीता को देखा?' और उन्हें एक पक्षी ने ही पहली सूचना दी थी। इसलिए संवाद की अनंत संभावनाओं को समझा जाना चाहिए।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। **1**

(ख) 'संवादहीनता' से क्या तात्पर्य है? यह स्थिति मौन भागीदारी से कैसे भिन्न है? **2**

(ग) भाव स्पष्ट कीजिए - ''यह उतावलापन हमें संवाद की आत्मा तक नहीं पहुँचने देता।'' **2**

(घ) दुखी व्यक्ति से संवाद में दूसरा पक्ष कब अधिक लाभकर होता है? क्यों? **2**

(ङ) सुनना कौशल की कुछ विशेषताएँ लिखिए। 2

(च) हम संवाद की आत्मा तक प्राय: क्यों नहीं पहुँच पाते? 2

(छ) रहीम के कथन का आशय समझाइए। 2

(ज) राम का उदाहरण क्यों दिया गया है? 2

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **1x5=5**

सूख गई है झील रसवंती
मिट्टी ही बची है नरम, साँवली, सहस्त्रों दुख-दरारवाली
अब वे दिन याद आते हैं
इस किनारे से उस किनारे तक अछोर पानी और हवा
पुराने महलों से बातें करता, ढलता
पश्चिम का वर्षा सूर्य
झील तट के कंकाल पेड़ों पर
पछतावा करती बैठी होंगी चिड़ियाँ
स्त्रियाँ खिन्नमन घाटों से लौट रही होंगी।
आगे देखने वाले भद्रजन झील की मिट्टी बेचने आएँगे
आएँगे उनके देशी-विदेशी परिजन
शोकाकुल झील-तट वासियों को धीरज देने।
सुना है यहाँ गांधी की प्रार्थना सभा होगी
आएँगी सुब्बालक्ष्मी मीरा का पद गाने -
'हरि तुम हरो जन की पीर।'

(क) रसवंती कौन है? क्यों सूख गई है?

(ख) पहले उसका सौंदर्य कैसा रहा होगा?

(ग) पेड़ों को 'कंकाल' क्यों कहा? चिड़ियों को क्या पछतावा है?

(घ) भद्रजन कौन हैं? वे सूखी झील से भी कैसे लाभ कमा लेते हैं?

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए : ''स्त्रियाँ खिन्नमन घाटों से लौट रही होंगी।''

खण्ड - ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : **5**

(क) पुस्तकों का महत्त्व

(ख) प्रदूषण के दुष्परिणाम

(ग) हमें चाहिए अच्छे शिक्षक

(घ) हिन्दी भारत की पहचान

4. कुछ टी.वी. चैनल वैज्ञानिक चिंतन या तर्क के स्थान पर अंधविश्वास फैलाने वाले कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं। इनके दुष्प्रभावों की चर्चा करते हुए किसी समाचार पत्र को पत्र लिखकर इस प्रवृत्ति को रोकने का अनुरोध कीजिए। **5**

अथवा

आप किसी पर्यटक स्थल पर भ्रमण के लिए गए किंतु वहाँ की अस्वच्छता देखकर खिन्न हुए। इस पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उक्त स्थल के पर्यटन अधिकारी को एक पत्र लिखिए और सुधार का अनुरोध कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : **1x5=5**

(क) इलैक्ट्रौनिक माध्यम की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ख) संपादक के दो दायित्वों का उल्लेख कीजिए।

(ग) संपादकीय का महत्त्व समझाइए।

(घ) रेडियो माध्यम की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ङ) मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ क्यों कहा जाता है?

6. 'चुनाव प्रचार का एक दिन' **अथवा** 'भीड़ भरी बस के अनुभव' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए। **5**

7. 'अंग्रेज़ी माध्यम से शिक्षा' **अथवा** 'दलितों पर अत्याचार' विषय पर एक आलेख लिखिए। **5**

खण्ड - ग

8. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **2x4=8**

तुम्हें भूल जाने की
दक्षिणध्रुवी अंधकार-अमावस्या
शरीर पर, चेहरे पर, अंतर में पालूँ मैं
झेलूँ मैं, उसी में नहा लूँ मैं
इसलिए कि तुम से ही परिवेष्टित आच्छादित
रहने का रमणीय उजेला अब
सहा नहीं जाता है।

(क) कवि के व्यक्तिगत संदर्भ में किसे 'अमावस्या' कहा गया है?

(ख) 'अमावस्या' के लिए प्रयुक्त विशेषणों का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'रमणीय उजेला' क्या है और कवि उसके स्थान पर अंधकार क्यों चाह रहा है?

(घ) 'तुम से ही परिवेष्टित आच्छादित' - यहाँ 'तुम' कौन है? आप ऐसा क्यों मानते हैं?

अथवा

आखिरकार वही हुआ जिसका मुझे डर था
ज़ोर ज़बरदस्ती से बात की चूड़ी भर गई
और वह भाषा में बेकार घूमने लगी!
हारकर मैंने उसे कील की तरह
उसी जगह ठोंक दिया।
ऊपर से ठीकठाक
पर अंदर से
न तो उसमें कसाव था
न ताकत!

(क) बात की चूड़ी मरने का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'बात को कील की तरह ठोंकना' क्या है? ऐसा क्यों किया जाता है?

(ग) टिप्पणी कीजिए कि बात और भाषा परस्पर जुड़े होते हैं।

(घ) भाषा में कसाव न हो तो क्या परिणाम होगा?

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2x3=6**

प्रभु प्रलाप सुनि कान, बिकल भए बानर निकर।

आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना महँ बीर रस।।

(क) काव्यांश के छंद का नाम और भाषा की एक विशेषता लिखिए।

(ख) वानरों की व्याकुलता का कारण स्पष्ट कीजिए।

(ग) दूसरी पंक्ति में निहित अलंकार का नाम लिखकर उसका सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,

तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।

हौलेहौले जाती मुझे बाँध निज माया से।

उसे कोई तनिक रोक रक्खो।

(क) मानवीकरण के सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए।

(ग) काव्यांश का बिंब-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3+3=6**

(क) 'कवितावली' के आधार पर पुष्टि कीजिए कि तुलसी को अपने समय की आर्थिक-सामाजिक समस्याओं की जानकारी थी।

(ख) आशय स्पष्ट कीजिए - ''मैं और, और जग और, कहाँ का नाता!''

(ग) 'शमशेर की कविता गाँव की सुबह का जीवंत चित्रण है।' पुष्टि कीजिए।

11. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **2x4=8**

भक्तिन और मेरे बीच सेवक-स्वामी संबंध है, यह कहना कठिन है; क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया जो स्वामी से चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है जितना अपने घर में बारी-बारी से आने-जाने वाले अँधेरे-उजाले और आँगन में फूलनेवाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं, जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख-दुख देते हैं, उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

(क) भक्तिन और लेखिका के पारस्परिक संबंधों को सेवक-स्वामी संबंध क्यों नहीं कहा जा सकता?

(ख) प्रकाश-अंधकार का उदाहरण क्यों दिया गया है? भाव स्पष्ट कीजिए।

(ग) गद्यांश के आधार पर महादेवी और भक्तिन के स्वभाव की एक-एक विशेषता सोदाहरण लिखिए।

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए - ''भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे व्यक्तित्व को घेरे हुए है।''

अथवा

जब सफ़िया की बात खत्म हो गई तब उन्होंने पुड़िया को दोनों हाथों में उठाया, अच्छी तरह लपेटा और खुद सफ़िया के बैग में रख दिया। बैग सफ़िया को देते हुए बोले, ''मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।'' वह चलने लगी तो वे खड़े हो गए और कहने लगे, ''जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा और उन खातून को यह नमक देते वक्त मेरी तरफ़ से कहिएगा कि लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा, तो बाकी सब रफ़्ता-रफ़्ता ठीक हो जाएगा।''

(क) पुड़िया में ऐसा क्या था जो कहानी बन गया? संक्षेप में समझाइए।

(ख) आशय समझाइए - 'जामा मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहिएगा।'

(ग) 'बाकी सब रफ़्ता - रफ़्ता ठीक हो जाएगा' - पक्ष या विपक्ष में दो तर्क दीजिए।

(घ) नमक का लाना-ले जाना प्रतिबंधित होते हुए भी कस्टम अधिकारी ने अनुमति क्यों दे दी? तर्कसम्मत उत्तर दीजिए।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3x4=12**

(क) पुत्र की चाह में परिवार के लोग ही कन्या को जन्म देने वाली माँ के दुश्मन हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति पर 'भक्तिन' पाठ के आधार पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) डॉ. आंबेडकर के आदर्श समाज की कल्पना में 'भ्रातृता' का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

(ग) ''सर्वग्रासी काल की मार से बचते हुए वही दीर्घ जीवी हो सकता है जिसने अपने व्यवहार में जड़ता के स्थान पर निरंतर गतिशीलता बनाए रखी है'' - 'शिरीष के फूल' के आधार पर प्रतिपादित कीजिए।

(घ) 'नमक' कहानी में भारत-पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच प्यार का नमक घुला है'' - टिप्पणी कीजिए।

(ङ) 'निर्धन, साधनहीन और महामारीग्रस्त गाँव में पहलवान की ढोलक मरने वालों को हौसला-हिम्मत देती थी' - इस कथन के आलोक में गाँव की बेबसी का चित्रण कीजिए।

13. महिलाओं के अधिकारों और जीवनशैली के बारे में ऐन फ्रेंक के विचारों की समीक्षा जीवनमूल्यों के आधार पर कीजिए। **5**

14. (क) यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की प्रमुख विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए। **5**

(ख) ''यशोधर बाबू दो भिन्न कालखंडों में जी रहे हैं'' - पक्ष या विपक्ष में सोदाहरण तर्क दीजिए। **5**